प्रश्न संख्या

(Main Answer Sheet)

1 A

इंडियन एसोसिएशन → स्थापना- 1876 - सुरेन्द्रनाथ बनर्जी
→ कांग्रेस पूर्व स्थापित राजनीतिक संस्थाओं में से एक
→ उद्देश्य - भारतीय जनमानस में राजनीतिक जागरूकता पैदा करना।

B

चार्ल्स मेटकाफ → 1845 तक गवर्नर जनरल रहे
→ ये भारतीयों के प्रति उदारवादी दृष्टिकोण रखते थे।
→ इन्होंने भारतीय प्रेस पर लगे प्रतिबंध हटाए।
→ अतः भारतीय प्रेस का मुक्तिदाता कहलाए।

C

महादेव देसाई - नरमवादी कांग्रेसी नेता

D

नीनू-डी-कुन्हा - (1) प्रथम पुर्तगाली गवर्नर जो भारत में आया।
(2) भारत में पुर्तगाली शासन की पृष्ठभूमि का रचनाकार।

Scanned with CamScanner

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

न संख्या

E — एनफील्ड रायफल - (1) ब्रिटिश सेना मे 1857 पूर्व शामिल की गई नई रायफल थी।
(11) 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के तात्कालिक कारण का केन्द्रबिन्दु बनी।

F — मलिक काफूर → यह अलाउद्दीन का दास व सेनापति था
→ इसे उसने हजार दिनार मे गुजरात से प्राप्त किया
→ अलाउद्दीन की ओर से दक्षिण भारत अभियान मलिक काफूर ने किया

G — घाघरा युद्ध → यह युद्ध 1529 मे लड़ा गया
→ बाबर द्वारा किए गए सैन्य अभियानो मे से एक अभियान
→ यह अभियान अफगानो के विरुद्ध था।

H — तालिकोटा युद्ध - (1565) विजयनगर साम्राज्य के विरुद्ध, बहमनी, बीजापुर, गोलकुण्डा ने एक होकर विजयनगर साम्राज्य का अंत किया।

Scanned with CamScanner

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

प्रश्न संख्या	
J	जैन-उल-आबदीन (i) काश्मीर के उदार शासक (ii) हिन्दुओं के प्रति सहिष्णु धार्मिक नीति अपनाई। (iii) इसे काश्मीर का अकबर कहा गया।
K	आल्हा-ऊदल- (i) बुन्देलखण्ड साम्राज्य के वीर सेनापति थे। (ii) पृथ्वीराज III से युद्ध दौरान ऊदल की मृत्यु (iii) किंवदंतियों के अनुसार आल्हा मैहर माता के आशीर्वाद से अमर है।
L	राज्यपाल- ~~चन्देरी के~~ (i) ग्वालियर के प्रतिहार नरेश। (ii) विद्याधर ने हत्या की क्योंकि महमूद गजनवी के समक्ष आत्मसमर्पण किया।
M	सूर्य सेन- (i) चटगाव शस्त्रागार अधिकार के प्रमुख नेतृत्वकर्ता (ii) चटगाव में समांतर सरकार स्थापित किया। (iii) ब्रिटिश सरकार ने मृत्युदण्ड दिया।

Scanned with CamScanner

1689- bill of Right

प्रिंसेस मैरी व प्रिंस विलियम के अराज्यरोहण पश्चात बिल आफ राइट पारित किया गया।

प्रावधान- प्रोटेस्टेंट को समान अधिकार दिलाना।

नागरिक अधिकारों को लागू करना।

कैथोलिक सर्वाधिकार समाप्त करना।

संसद की पूर्ण स्वायत्तता, राजा की शक्ति कम की गई।

करारोपण के अधिकार

Scanned with CamScanner

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या 2 A

स्वतंत्रता आंदोलन में क्रांतिकारी आंदोलन का योगदान

(i) त्याग व बलिदान हेतु प्रोत्साहन
क्रांतिकारियों के आत्मोत्सर्ग के अनेक उदाहरण सामने हुए। चाहे तन हो या धन मातृभूमि/भारती के चरणों में अर्पण किया।

(ii) एकता स्थापना
क्रांतिकारी संगठन पूर्ण रूपेण धर्म से स्वतंत्र थे हिन्दू के अलावा अशफाक उल्ला खाँ जैसे मुस्लिम युवक भी शामिल रहे। इससे आंदोलन में एकता की प्रेरणा मिली।

(iii) मनोबल में वृद्धि
कई मोर्चों पे इन क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश सेना को पराजित किया। वहीं अपमान का प्रतिशोध लिया इस प्रकार आत्मसम्मान से भर कर लोगों में मनोबल बढ़ाया।

(iv) जुझारू प्रवृत्ति का विकास
क्रांतिकारियों ने स्वतंत्रता हेतु अनुनय विनय की नीति खारिज की। उन्होंने स्वतंत्रता हेतु संघर्ष का विकल्प प्रदान किया।

(v) आगामी आन्दोलनों की प्रकृति का निर्धारण
क्योंकि क्रांतिकारी आंदोलन हिंसा से दबाए गए अतः अहिंसात्मक प्रतिरोध का मार्ग प्रशस्त हुआ।

Scanned with CamScanner

निर्माण IAS
Give the best Take the best

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या 2 A

स्वतंत्रता आन्दोलन मे क्रांतिकारी आन्दोलन का योगदान

(i) त्याग व बलिदान हेतु प्रोत्साहन
क्रांतिकारियो के आत्मोसर्ग के अनेक उदाहरण सामने आए। चाहे तन हो या धन सर्वस्व मां भारती के चरणों मे अर्पण किया।

(ii) एकता स्थापना
क्रांतिकारी संगठन पूर्ण रूपेण धर्म से स्वतंत्र थे हिन्दु के अलावा अशफाक उल्ला खाँ जैसे मुस्लिम युवक भी शामिल रहे। इसने आंदोलन मे एकता की प्रेरणा दी।

(iii) मनोबल मे वृद्धि
कई मोर्चो मे इन क्रांतिकारियो ने ब्रिटिश सेना को पराजित किया। वही अपमान का प्रतिशोध लिया इस प्रकार आत्मसम्मान से भर कर लोगो मे मनोबल पैदा किया

(iv) जुझारू प्रवृत्ति का विकास
क्रांतिकारियो ने स्वतंत्रता हेतु अनुनय विनय की नीति खारिज की। उन्होने स्वतंत्रता हेतु संघर्ष का विकल्प प्रदान किया।

(v) आगामी आन्दोलनों की प्रकृति का निर्धारण
क्यो कि क्रांतिकारी आन्दोलन हिंसा से दबाए गए अतः अहिंसात्मक प्रतिरोध का मार्ग प्रशस्त हुआ।

Scanned with CamScanner

निर्माण IAS
Give the best Take the best

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या B

भारत छोड़ो आंदोलन का महत्व

भारत छोड़ो आंदोलन गांधीजी द्वारा चलाए गए आंदोलनों में से अंतिम व निर्णायक आंदोलन था। इसके बाद संवैधानिक सुधार व स्वतंत्रता की गतिविधियाँ ही शेष रहीं।

इस आंदोलन के महत्व निम्न रहे-

(I) जनता के हाथ में आंदोलन.

आंदोलन की रूपरेखा व सभी निर्णय शीर्ष नेतृत्व द्वारा निर्धारित कर दिये गए थे। आंदोलन प्रारम्भ होने से पूर्व ही शीर्ष नेताओं की गिरफ्तारी ने आंदोलन को नेतृत्वहीन नहीं होने दिया। जनता ने स्वयं आंदोलन अपने हाथ में लिया व उसे सफल बनाया।

(II) व्यापक जनाधार- यह ऐसा आंदोलन था जिसमें महिला, विद्यार्थी, मजदूर, और कृषक वर्ग शामिल रहा और आंदोलन को व्यापक बनाया। उषा मेहता, राम मनोहर लोहिया ने भूमिगत रेडियो संचालन किया।

(III) स्वतंत्रता से कम कुछ स्वीकार नहीं

इस आंदोलन का लक्ष्य स्वराज्य नहीं पूर्ण स्वतंत्रता था।

Scanned with CamScanner

निमाण IAS
Give the best Take the best

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या 2 C

1857 के सैन्य कारण

1857 क्रांति भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम था इसके अनेक कारण रहे जिन्हें विद्वानों ने अपने-अपने मतानुसार प्रतिपादन किया। सैन्य कारणों का विवरण निम्नवत है

(I) अंग्रेजी व भारतीय सैनिकों के मध्य विभेद
(a) अंग्रेज वेतन-भत्ते, भारतीयों से ज्यादा
(b) सुविधाएं कम प्रदान करना
(c) सूबेदार से उच्च पद प्रदान न करना
(d) शस्त्रों से वंचित रखना।

(II) धार्मिक हस्तक्षेप-
(a) सेना में पादरियों की भर्ती ने सैनिकों को धर्मान्तरण के प्रति सशंकित किया।
(b) चर्बी युक्त कारतूस का मामला तो तात्कालिक कारण ही बन गया।
(c) तिलक व दाढ़ी बढ़ाने से मना करना।
(d) समुद्र पार अभियान हेतु बाध्य करना।

(III) मंगल पांडे को फांसी देना
- यह एक अन्य कारण था जिसने राष्ट्रीयता को अग्नि प्रदान की थी।

Scanned with CamScanner

(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

चन्द्रगुप्त मौर्य उपलब्धि

(i) सैनिक उपलब्धि - चन्द्रगुप्त मौर्य एक सामान्य जाति से संबद्ध था। उसने सर्वप्रथम नन्द वंश का विनाश किया, फिर उत्तरी-पूर्वी क्षेत्रों से यूनानियों को हटाया। अपनी सैन्य विजयों के क्रम में उसने मगध का अत्यधिक विस्तार किया।

(ii) कुशल नेतृत्वकर्ता व प्रशासक

चन्द्रगुप्त मौर्य स्वयं कुशल नेतृत्वकर्ता था, उसके नेतृत्व में वर्तमान गुजरात राजस्थान मध्य भारत बंगाल व कर्नाटक तक दक्षिण उत्तर में हिमालय तक विशाल साम्राज्य स्थापित किया।

(iii) प्रजावत्सल राजा

चन्द्रगुप्त प्रजावत्सल शासक था। उसने प्रजा के हित में अनेक कार्य संपादित किए इनमें सुदर्शन झील सड़क मार्ग, कूप खनन, आदि शामिल

(iv) उदार धार्मिक चरित्र

स्वयं जैन धर्म स्वीकार करने के बाद भी उसका दृष्टिकोण उदार बना रहा।

(v) विशाल साम्राज्य संस्थापक

चन्द्रगुप्त ने मौर्य वंश की स्थापना की चन्द्रगुप्त का साम्राज्य, अशोक के काल में हिमालय से कावेरी तट तक व बंगाल से आमू नदी तक विस्तृत हुआ

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

निर्माण IAS
Give the best Take the best

8

कुंवर चैन सिंह

परिचय- कुंवर चैनसिंह राजगढ़ के समीप तात्कालीन नरसिंहगढ़ रियासत के राजा थे। इन्हे मध्यप्रदेश का मंगल पाण्डेय या प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कहा जाता है

योगदान-

तत्कालीन वाय निर्मित सहायक संधि से रेजिडेन्ट को रखा जाना अनिवार्य था।

कुंवर सिंह अंग्रेजी आधीनता को अभिशाप मानते थे। उनके मंत्री आनंदराम व रूपराम अंग्रेज भक्त थे जिन्हें कुंवर चैन सिंह ने मार गिराया इससे ब्रिटिश रेजीडेन्ट मैडाक ने उन्हे सिहोर में उपस्थित होने को कहा।

कुंवर चैन सिंह ने स्थिति को भांपते हुए अपने वफादार हिम्मत खां व बहादुर खां के साथ अंग्रेज सैनिकों पर हमला किया जहां वे वीर गति को प्राप्त हुए।

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या (7)

म.प्र. में झंडा सत्याग्रह (1923)

परिचय झंडा सत्याग्रह, एक आन्दोलन था ऐसा तरीका था जिसमें राष्ट्रवादियों द्वारा तिरंगे को सार्वजनिक रूप से फहराया जाता था व स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति की जाती थी।

पृष्ठभूमि जबलपुर में असहयोग आन्दोलन की तैयारी के क्रम में अजमल खाँ व अन्य सहयोगी कांग्रेसियों का जबलपुर आगमन हुआ। अतः इन्हीं के स्वागत में टाउन नगरपालिका भवन में ध्वजारोहण की योजना बनी। ऐसा करने पर जबलपुर प्रशासन ने तिरंगे को पैरों तले कुचलकर अपमान किया।

इसके विरोध में सत्याग्रह चला में पं. सुन्दरलाल, लक्ष्मण सिंह, सुभद्रा कुमारी चौहान ने जुलूस निकाला।
पं. सुन्दरलाल की गिरफ्तारी हुई।
वहीं दूसरा नागपुर में सरोजिनी नायडू, मौलाना आजाद ने नेतृत्व दिया और टाउन हॉल में ध्वजारोहण सफल रहा।

परिणाम (1) देशव्यापी झंडा सत्याग्रह प्रारम्भ हुए। ध्वजारोहण के अधिकार का प्रयोग किया गया।
(ii) इसने राष्ट्रवाद का विकास किया।
(iii) तिरंगे के प्रति प्रेम बढ़ा।

Scanned with CamScanner

निर्माण IAS
Give the best Take the best

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

चरण पादुका नरसंहार (1931)

तिथि- 14 जन 1931 मकर संक्रांति

स्थान उर्मिल नदी का किनारा, चरणपादुका

आयोजन का कारण

(i) पं. रामसहाय तिवारी व हीरासिंह की गिरफ्तारी का विरोध।

(ii) मनमानी टैक्स वसूली का विरोध।

अध्यक्षता- सरजू दौआ गिलौंहा

घटना इस कार्यक्रम की भनक लगते ही कर्नल फिशर एक दर्जन सेना के वाहनों सहित मेले में पहुँचा और सैनिकों को गोली चलाने के आदेश दिये।

इस हमले में 22 लोगों की शहीदी व 42 लोग घायल हुए। सरजू दौआ को कारावास की सजा

तत्कालीन पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह ने इस स्थान पर शहीद स्मारक निर्मित किया जिसमें शहीदों के नाम लिखित है।

Scanned with CamScanner

(Main Answer Sheet)

मध्य प्रदेश के ताम्रपाषाणिक स्थल

मध्य प्रदेश का मानव सभ्यता के विकास क्रम में विशेष योगदान रहा है ज्ञात है कि नर्मदा घाटी में मानव के प्रागैतिहासिक अवशेष प्राप्त हुए हैं। उसी क्रम में ताम्रपाषाणिक स्थलों की ~~खोज~~ ज्ञाति हुई जो अलग-2 जिलों में अवस्थित हैं-

(i) एरण - यह सागर में स्थित ताम्रपाषाणिक स्थल है
(ii) नावदाटोली - इसकी स्थिति महेश्वर के समीप है।
(iii) नागदा - यह उज्जैन स्थित ताम्रपाषाणिक स्थल
(iv) कायथा - यह प्रथम ताम्रपाषाणिक स्थल है जो उज्जैन में स्थित
(v) डांगवाला - डांगवाला ताम्रपाषाणिक स्थल उज्जैन में स्थित है
(vi) खेड़ीनामा - होशंगाबाद जिले में अवस्थित है
(vii) आवरा - इसे मन्दसौर जिले में प्राप्त किया गया।

इन ताम्रपाषाणिक स्थलों से ताम्र बर्तन, औजार, आदि प्राप्त हुए।

महत्व - (i) मानव सभ्यता विकास के क्रम को अनावरित करते हैं।
(ii) पुरातात्विक महत्व के ये स्थल, म.प्र की गौरवशाली ~~ऐतिहासिक~~ इतिहास का परिचय देते हैं।

Scanned with CamScanner

Give the best Take the best

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या I

मध्य प्रदेश में भारत छोड़ो आन्दोलन

परिचय-

भारत छोड़ो आंदोलन, महात्मा गांधी द्वारा चलाए जाने वाले देशव्यापी आंदोलनों में से एक था। मुम्बई के ग्वालिया टैंक की 8 अगस्त 1942 की बैठक में ही इसकी पूर्व योजना तैयार थी।

देश के अन्य हिस्सों की तरह म.प्र. में भी इसका प्रसार होना स्वाभाविक था।

वस्तुस्थिति

जबलपुर - 9 - अगस्त को ~~दुर्गा बाई समाधि~~ से० गोविन्द दास द्वारिका प्रसाद मिश्र व पंडित रविशंकर शुक्ल के नेतृत्व में प्रारम्भ। जिन्हें गिरफ्तार किया गया जबलपुर में धारा 144 का आरोपण किया गया

ग्वालियर - ग्वालियर क्षेत्र में जनसभा, हड़ताल, धरनो का आयोजन। रेलवे पटरियां उखाड़ी गई।

उज्जैन - अवंतीलाल जैन के नेतृत्व में आन्दोलन

राजगढ़ प्रभा दत्ता ने महिलाओं का नेतृत्व किया।

मन्दसौर म - प्रेम नारायण खरे, लालाराम बाजपाई ने नेतृत्व दिया

इसके अलावा सुभद्रा कुमारी चौहान ने जबलपुर में माखनलाल चतुर्वेदी ने झांसी में गिरफ्तारियां दी।

Scanned with CamScanner

निर्माण IAS
Give the best Take the best

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

हुमायूँ असफलता के कारण

J

परिचय → हुमायूँ का राज्यारोहण अल्पायु में ही हुआ था उसे विशेष अनुभव की आवश्यकता थी किन्तु समय न मिला और वह निरंतर युद्धों में उलझा रहा जिससे उसे समस्या का सामना करना पड़ा।

उसकी असफलता के मुख्य कारण निम्न रहे।

(i) निरंतर युद्धों में उलझना (क) गुजरात – बहादुरशाह से
(ख) बंगाल – अफगानों से

इससे उसकी स्थिति कमजोर हुई।

(ii) आंतरिक अशांति – हुमायूँ के भाई हिंदाल व अस्करी के बीच उसे साम्राज्य का विभाजन करना पड़ा जबकि वे अदूरदर्शी व अनुभवहीन थे। इसी वजह से उसे गुजरात गंवाना पड़ा।

(iii) दीनपनाह निर्माण – हुमायूँ दीनपनाह का निर्माण कर आंतरिक व बाह्य कारकों पर नियंत्रण स्थापित करना चाहता था किन्तु इसी समय शेरशाह स्वयं को सुदृढ़ कर रहा था।

(iv) शेरशाह की कुशलता।
शेरशाह निश्चित ही कुशल सैन्य नायक था। एक जमींदार से शहंशाह का तख्त उसने अपने इसी कौशल से प्राप्त किया था। उसने मुगल बादशाह को बंगाल में उलझाकर चौसा व बिलग्राम युद्धों में मात दी।

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

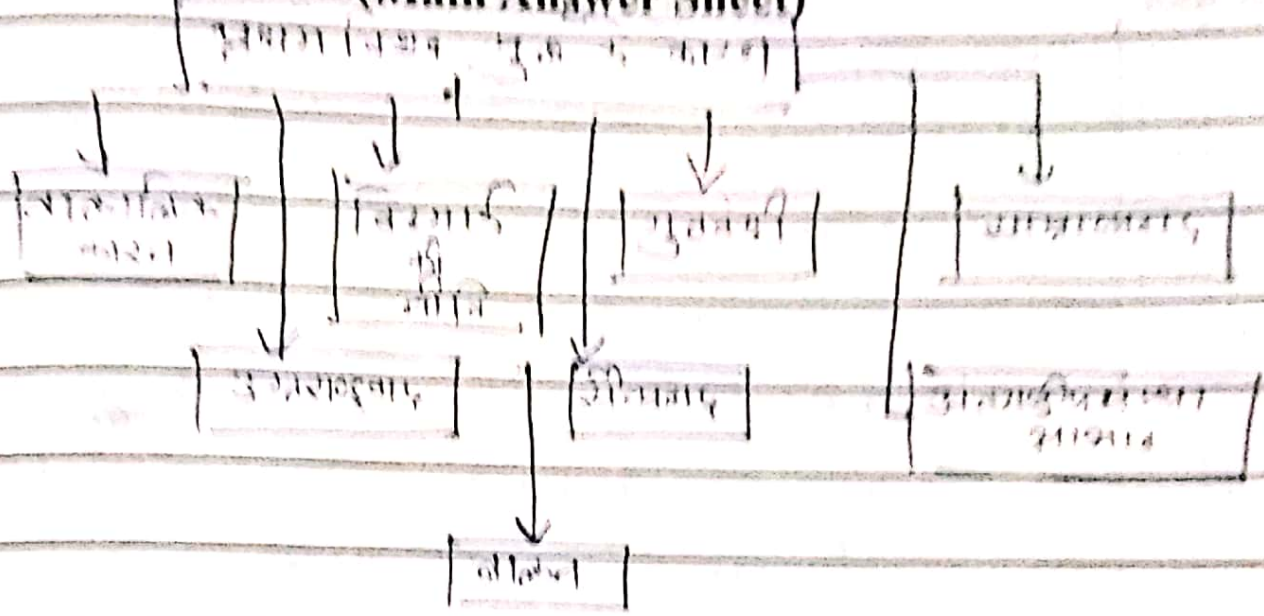

प्रश्न संख्या

तात्कालिक कारण

ऑस्ट्रिया के राजकुमार फर्डिनेण्ड की सेराजेवो में, सर्बियन क्रांतिकारी युवक द्वारा हत्या। ऑस्ट्रिया ने इसे राष्ट्रवादी अभियान पर आघात मानकर सर्बिया के विरुद्ध युद्ध घोषणा कर दी।

(ii) बिस्मार्क की नीति

बिस्मार्क ने जर्मनी साम्राज्यवाद के क्रम में अनेक देशों को एक किया। फ्रांस को मित्र राष्ट्रों से अलग-थलग करने हेतु जर्मनी, इटली, ऑस्ट्रिया से त्रिगुट का निर्माण किया। साथ इसी के विरोध में इंग्लैण्ड, फ्रांस व रूस का गुट तैयार हुआ। इस गुटबन्दी ने युद्ध अनिवार्य कर दिया।

Scanned with CamScanner

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या 3 A

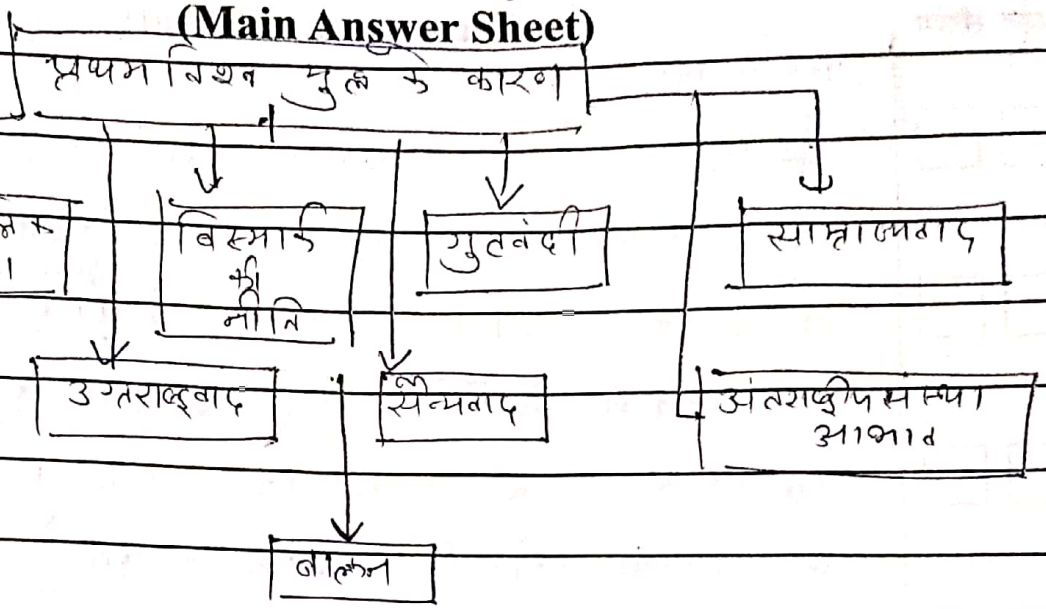

तात्कालिक कारण

आस्ट्रिया के राजकुमार फर्डिनेंड की सेराजेवो में, सर्बियन क्रांतिकारी गुट ब्लैक हैंड द्वारा हत्या। आस्ट्रिया ने इसे राष्ट्रीय अभिमान पर आघात मानकर सर्बिया के विरुद्ध युद्ध घोषणा कर दी।

(ii) बिस्मार्क की नीति

बिस्मार्क ने स्वयं साम्राज्य विस्तार के क्रम में अनेक देशों को रुष्ट किया। फ्रांस के भू-भाग छीना व अलग-थलग करने हेतु जर्मनी-इटली-सर्बिया के त्रिगुट का निर्माण किया। वहीं इसी के विरोध में इंग्लैंड-फ्रांस व रूस का गुट तैयार हुआ। इस गुटबाजी ने युद्ध अनिवार्य कर दिया।

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

निर्माण IAS
Give the best Take the best

साम्राज्यवाद

अनेक यूरोपियन देशो के अपने उपनिवेश थे जर्मनी भी इसी तलाश मे था विलियम कैसर ने स्वयं भी कहा था कि जर्मनी को सूर्य के तले जमीन चाहिये। यह साम्राज्यवादी प्रतिस्पर्धा युद्ध का कारण बनी। क्योंकि ज्यादातर देश कई यूरोपीय देशो के उपनिवेश बन चुके थे। ऐसे मे उपनिवेश छीनना ही एकमात्र विकल्प था

सैन्यवाद - साम्राज्यवादी देशो मे उत्पन्न समस्याओ से बचा राष्ट्रभक्ति की दुहाई देकर सैन्यवाद अधिनायकवाद का जन्म हुआ। सेना अधिकारी असीमित शक्ति प्रयोग करने लगे व स्वयं स्वामी बन बैठे। ये सेनानायक सभी समस्याओ का हल युद्ध मे ही खोजते थे। अतः युद्ध अवश्यंभावी हो गया।

उग्रराष्ट्रवाद - देशो मे सृजित उग्रराष्ट्रवाद भी विश्वयुद्ध का कारण बना, क्योंकि स्वयं को श्रेष्ठ व दूसरो को पतित सिद्ध करने की प्रतिस्पर्धा लगी हुई थी। युद्ध को विकल्प लोग राष्ट्रवादी अभिमान रक्षा हेतु

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

(Main Answer Sheet)

मानते थे।

वाल्कन की जटिलता -

वाल्कन का पुल आस्ट्रिया तथा सर्बिया के मध्य था किन्तु अन्य देशो जैसे जर्मनी, इंग्लैण्ड ने इसे हस्तक्षेप करके विश्वयुद्ध को मूर्त रूप प्रदान किया।

कहा जाता है कि वाल्कन का पुल दो छोड़ो का पुल था जिसमे घुड़सवार (इंग्लैण्ड, जर्मनी, रूस) बाद मे सवार हुए।

अंतर्राष्ट्रीय संस्था का अभाव

तात्कालीन समय मे विश्वस्तर पर ऐसी कोई संस्थान थी जो मध्यस्थता करे या शांति स्थापना मे सहायक हो। ऐसी संस्था की अनुपस्थिति ने विरोधो को सुलझने का विकल्प ही नही दिया। जिसकी परिणति प्रथम विश्वयुद्ध के रूप मे हुई।

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या 13

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

निर्माण IAS
Give the best Take the best

सिंधु सभ्यता पतन के कारण

सिंधु सभ्यता एक नगरीय सभ्यता थी जिसकी स्थिति 2300-1500 BC तक रही।
यह सभ्यता अपने समकालीन सभ्यता से विकसित और सुव्यवस्थित थी।

इसके पराभाव के कारणों का स्पष्ट प्रमाण का अभाव है किन्तु विद्वानों के मतानुसार जो विकल्प मिले वो निम्नानुसार प्रस्तुत है।

सिंधु सभ्यता पतन के कारण

- **आक्रमण संबंधी सिद्धांत**
  - समर्थन- गॉर्डन चाइल्ड, मार्टिमर व्हीलर
- **प्राकृतिक कारण**
  - (i) बाढ़ द्वारा
  - (ii) भूकम्प से
  - (iii) नदी मार्ग में परिवर्तन
  - (iv) पारिस्थितिक असंतुलन
  - (v) जलवायु परिवर्तन

Scanned with CamScanner

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

आक्रमणकारी सिद्धांत

इस सिद्धान्त का समर्थन गॉर्डन चाइल्ड व मार्टीमर व्हीलर ने किया था।

उनका मानना है कि सैंधव सभ्यता बाह्य आक्रमण से नष्ट हुई।

मार्टीमर व्हीलर ने कहा "पारिस्थितिक जन्य कारणों को देखकर इन्द्र दोषी ठहरता है" उन्होंने आर्यों को कारण बताया और इन्द्र को वैसे भी पुरन्दर कहा जाता है।

साक्ष्य -

पुरातात्विक	साहित्यिक
मोहनजोदड़ो में 38 ऐसे नरकंकाल मिले जो पैने हथियारों से घात करके मारे गए थे।	(1) ऋग्वेद में हारयूपिया (हड़प्पा) नारमीनि (मोहनजोदड़ो) यानुमति का विनाश आर्यों द्वारा बताया गया है।

विपक्ष - (1) आर्यों का आगमन 200 वर्षों बाद हुआ
(2) 38 नरकंकाल विस्तृत सभ्यता के विनाश की कहानी नहीं कह सकते

Scanned with CamScanner

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

निर्माण IAS
Give the best Take the best

प्रश्न संख्या

प्राकृतिक कारण

(i) बाढ़ द्वारा विनाश

इस सिद्धान्त के समर्थक मार्शल व मैके हैं
इनके अनुसार सभ्यता का विनाश सिन्धु में
उपजे बाढ़ की वजह से हुआ।

(ii) भूकम्प द्वारा- इसका समर्थन मार्शल ने किया

(iii) नदी मार्ग में परिवर्तन द्वारा।

इस सिद्धान्त का प्रतिपादन माधवस्वरूप वत्स ने
किया था।

(iv) पारिस्थितिकी असंतुलन- इसका समर्थन
फेयर सर्विस ने किया था।
इनके अनुसार बढ़ती जनसंख्या व सीमित
संसाधन के दोहन ने ऐसा किया।

(v) जलवायु परिवर्तन - यह सिद्धांत
ऑरेल स्टाइन ने दिया था

Scanned with CamScanner

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या 3 C

औद्योगिक क्रांति इंग्लैण्ड में क्यों हुई

परिचय- औद्योगिक क्रांति यूरोपियन देशों में 18-19वीं सदी में उद्योग में होने वाले ऐसे परिवर्तन थे जिसने न केवल आर्थिक बल्कि सम्पूर्ण यूरोप की राजनीति व समाज को व्यापक रूप से प्रभावित किया।

इस लम्बी प्रक्रिया में आधारभूत धातुओं का प्रयोग मशीनीकरण, कारखाना पद्धति का उदय हुआ।

औद्योगिक क्रांति की शुरुआत इंग्लैण्ड में क्यों हुई। उसके निम्न कारण बताए गए

(1) स्वतंत्र राजनीति-
इंग्लैण्ड में राजशाही नाममात्र की शेष थी। संसद स्वावलम्बी व कुशल व्यापार नीति का निर्माण किया गया। व्यापारिक स्वतंत्रताए दी गई जिससे राजनियंत्रण से मुक्त हो व्यापार में आशातीत वृद्धि हुई एवं पर्याप्त पूंजी प्राप्त हुई। जिसे कारखानों में लगाया गया।

Scanned with CamScanner

निर्माण IAS
Give the best Take the best

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

(ii) पुनर्जागरण

इंग्लैण्ड में पुनर्जागरण पश्चात धार्मिक बन्धन ढीले पड़े और विज्ञान व तकनीकि का विकास हुआ। इससे मशीनीकरण के युग का आरम्भ हुआ।

(iii) भौगोलिक अवस्थिति

इंग्लैण्ड चारों ओर से समुद्र से घिरा है वह युद्धों से अलग रहकर व्यापार वाणिज्य पर ध्यान देता हुआ समृद्ध बना रहा।
उसके पास पूँजी अधिशेष उपलब्ध था।

(iv) संसाधन-

इंग्लैण्ड के पास प्रचुर कोयला व लौह संसाधन थे जो या तो इंग्लैण्ड के थे या उपनिवेशों से प्राप्त थे साथ ही कुशल मानव संसाधन की मौजूदगी था।

Scanned with CamScanner

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

निर्माण IAS
Give the best Take the best

प्रश्न संख्या

नौसेना

इग्लैण्ड की शक्तिशाली नौसेना ने उपनिवेश हासिल करने व व्यापारिक गतिविधियों में मदद किया।

उपनिवेश -

ब्रिटेन के पास उपनिवेशों के रूप में प्रचुर संसाधन व विस्तृत बाजार उपलब्ध था। जिससे ~~मांग-~~ कारखानों का विस्तार हुआ।

बढ़ती जनसंख्या

इग्लैण्ड की बढ़ती जनसंख्या उसकी मांगों ने उत्पादन बढ़ाने को प्रेरित किया। जो बिना कारखानों के संभव नहीं था।

इग्लैण्ड का समृद्ध व्यापार वाणिज्य

अन्य देशों से बेहतर व्यापार लाभ प्राप्त करके कारखानों में निवेश किया।

Scanned with CamScanner